आर्यावर्त

[ऐतिहासिक महाकाव्य]

रचयिता

पं० मोहनलाल महतो, 'वियोगी'

उदय हुआ है रवि दिव्य राष्ट्रधर्म का,
आज राष्ट्रीयता ही श्रेष्ठ आर्यधर्म है ।

ग्रंथमाला-कार्यालय, पटना